

हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, मंगलवार 22 सितंबर 2026

खबर संक्षेप

चोरी के आरोप में अलेक्जेंडर गिरफ्तार

बहादुरगढ़। एयरफोर्स जवान के मकान में हुई चोरी की वारदात पुलिस ने सुलझा ली है। मामले में पुलिस ने आंध्रप्रदेश मूल के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से कुछ आभूषण बरामद हुए हैं। वारदात मई माह में साजेंट अभिषेक के वेदांत नगर स्थित मकान में हुई थी। अभिषेक की असम में पोरिंग थी। पत्नी और मां भी वहां गई हुई थीं। पीछे से मकान बंद था। इसी दौरान चोरी हुई। मामले में कार्रवाई करते हुए अब एक आरोपी को काबू किया गया है। आरोपी की पहचान अलेक्जेंडर के रूप में हुई है। आंध्रप्रदेश मूल का अलेक्जेंडर फिलहाल दिल्ली में रहता है।

सीएम विडो पर लगाई बाइक चोरी की शिकायत

झज्जर। गांव कोका निवासी व्यक्ति ने अपनी बाइक चोरी की शिकायत सीएम विंडो पर करते हुए बाइक चोरी में शामिल संदिग्ध व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है। सौरव सिंह ने बताया कि वह दो सितंबर को कुलाना बस स्टैंड आया था। बस स्टैंड के नजदीक एक मैकेनिक की दुकान के पास पार्किंग में बाइक खड़ी करके वह झज्जर कोर्ट चला गया। जब वह दोपहर करीब साढ़े बारह बजे वापिस लौटा तो उसकी बाइक चोरी हो चुकी थी। आस पास के दुकानदारों ने बताया कि हेलमेट पहने एक छोटे कद वाला व्यक्ति बार-बार बाइक के पास देखा गया था।

सैनी धर्मशाला में विशाल रक्तदान शिविर कल

झज्जर। भारत उदय ट्रस्ट द्वारा बुधवार को बेरी गेट स्थित सैनी धर्मशाला में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों, दुर्घटना पीड़ितों और थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने रक्तदाताओं से अपील की है कि वे शिविर में रक्तदान कर पुण्य के भागीदार बनें।

आसंडा में किसान पर कस्सी से हमला

बहादुरगढ़। गांव आसंडा में एक किसान पर कस्सी से हमला किया गया। हमले में उसे काफी चोट आई। अब तबीयत में सुधार होने पर पुलिस को शिकायत दी है। गांव के ही एक युवक पर आरोप है। आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात आसंडा निवासी रमेश के साथ हुई है। रमेश का कहना है कि वह अपने खेत से घर लौट रहा था। रास्ते में सर्विस स्टेशन के पास एक दुकान में बैठ गया। इसी दौरान पीछे से सिर पर किसी ने कस्सी से वार किया। देखा तो हमला करने वाला गांव का टेनी था। उसने ताबड़तोड़ वार किए। जैसे जैसे अपना बीचो बीच चला गया। इसके बाद अस्पताल भर्ती कराया गया। सेहत में सुधार होने पर अब शिकायत दी है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

ईको फ्रेंडली गणेश उत्सव : जलपात्र में किया विसर्जन



पानी में घुली प्रतिमा को अब पेड़ पौधों में डाला जाएगा

बहादुरगढ़ (हरिभूमि न्यूज)। रॉयल ग्रीन काउंटी में स्थापित भगवान गणपति की प्रतिमा का विधि-विधान और परंपरिक मंत्रोच्चारण के साथ विसर्जन किया गया। काउंटी निवासियों ने गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन भव्य पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए। ईको-फ्रेंडली थीम के साथ रॉयल ग्रीन काउंटी में भगवाण गणपति की प्रतिमा विशेष ईको-फ्रेंडली मैटीरियल से तैयार की गई थी, जिसे बड़े जलपात्र में विसर्जित किया गया। विसर्जन के उपरान्त पानी में घुली इस प्रतिमा के जल का उपयोग काउंटी के पेड़-पौधों में किया जाएगा। काउंटी के एसडी एशोक वासन और डायरेक्टर करुण कुमार मखीजा ने भगवान गणपति की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि व सर्वमंगल की कामना की।

नमो क्रिकेट लीग में झज्जर जिले की 93 टीमों ने दिखाया दम

क्रिकेटरों को नशे से दूर रहने व समाजसेवा की दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सोमवार को नूना माजरा स्थित शहीद राजेश जून स्टेडियम में आयोजित नमो क्रिकेट लीग के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने क्रिकेट खिलाड़ियों और युवाओं का उत्साह बढ़ाया तथा उन्हें नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने भी पीएम मोदी के जीवन दर्शन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और खेलों के माध्यम से उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और मजबूत युवा ही मजबूत राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र

मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने खुद क्रिकेट खेलकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया



बहादुरगढ़। नमो क्रिकेट लीग के दौरान शॉट लगाते मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

मोदी से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र सेवा में अपना योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए समाज और देश के हित में कार्य करना चाहिए। समारोह के दौरान डॉ. अरविंद शर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में तीनों प्रमुख पदों पर जीत हासिल करने वाले एबीवीपी के प्रत्याशियों को भी बधाई दी। उन्होंने विजेता प्रत्याशियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे युवाओं की सक्रिय भागीदारी का उदाहरण



बताया। भाजयुमो के प्रदेश मीडिया प्रभारी नवीन जून ने बताया कि नमो क्रिकेट लीग में झज्जर जिले की 93 टीमों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर एसडीएम अभिनव सिवाच, भाजपा नेता दिनेश

कौशिक, चेयरपर्सन सरोज राठी, पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, नौगामा प्रधान मंजीत जून, मुकेश कौशिक, विनोद जून, ईस्पेक्टर सतीश कुमार व एसआई सत्यप्रकाश आदि मौजूद रहे।

ऑटो चालकों को यूनिफार्म पहनने की दी हिदायत

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

यातायात प्रभारी सतीश कुमार की टीम द्वारा वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में नए कोर्ट परिसर के सामने ऑटो चालकों को नियमों का पाठ पढ़ाया गया। चालकों को निर्धारित यूनिफार्म पहनने तथा वाहन चलाते वक्त यात्रियों की सुरक्षा का ख्याल रखने के लिए जागरूक किया गया। एसआई देवेन्द्र ने बताया कि ऑटो चालक निर्धारित यूनिफॉर्म



ऑटो चालकों को जागरूक करते एसआई देवेन्द्र।

पहनकर ही वाहन चलाएं और पहचान संबंधी जरूरी दस्तावेज साथ रखें। ऑटो में क्षमता से

अधिक सवारियां न बैठाने, निर्धारित स्थान पर ही वाहन खड़ा करने तथा सड़क पर अन्य वाहन चालकों और पैदल यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखने की हिदायत दी गई। चालकों को बिना जरूरी दस्तावेज, निर्धारित ड्रेस कोड के विपरीत या यातायात नियमों की अवहेलना करते हुए वाहन न चलाने के लिए कहा गया। ऑटो चालक एसोसिएशन के पदाधिकारियों से भी सभी चालकों को नियमों की जानकारी देने और यूनिफॉर्म पहनने को प्रेरित करने को कहा गया।

ब्राजील में होने वाले आईएसएफ जिम्नासियाड में अवशिका का चयन



बधाई देते हुए कोच इंदुजीत के प्रयासों की सराहना की।

4 किलो 40 ग्राम गांजे सहित आरोपी गिरफ्तार

■ आरोपी को रिमांड पर लेकर की गई पूछताछ, अब जेल भेजा

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

सीआईए की एक टीम द्वारा चार किलो 40 ग्राम गांजे सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सीआईए प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि गश्त पर तैनात पुलिस टीम को सूचना मिली कि रवि निवासी मदनपुर डबास, दिल्ली मादक पदार्थ गांजा बेचने का अवैध धंधा करता है और रासलवाला चौक से कुछ दूरी पहले बहादुरगढ़ की तरफ खड़ा है। जिस पर कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक मुकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम बताए गए स्थान पर पहुंची। वहां एक युवक प्लास्टिक का कट्टा लिए हुए खड़ा दिखाई दिया। जिस पर कार्रवाई करते हुए युवक को प्लास्टिक के कट्टे सहित पकड़ा गया। पकड़े गए युवक की नियमानुसार तलाशी लेने पर कट्टे से मादक पदार्थ बरामद



झज्जर। पकड़ा गया आरोपी पुलिस टीम के साथ।



हुआ, जिसका वजन करने पर कुल 4 किलो 40 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान रवि निवासी मदनपुर डबास, दिल्ली के रूप में की गई। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सेक्टर 6 में गड़ों में लगाए प्रीकास्ट स्लैब हटा इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

सेक्टर-6 में नालों की सफाई के बाद सड़क किनारे छोड़े गए प्रीकास्ट स्लैब को गड़ों में लगाने और सरकारी धन के कथित दुरुपयोग को लेकर हरिभूमि में रविवार को प्रकाशित खबर का असर देखने को मिला है।

खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग ने गड़ों में लगाए गए भारी प्रीकास्ट स्लैब वापस हटा लिए। इसके बाद गड़ों में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का काम किया गया।

दरअसल, बहादुरगढ़ नगर परिषद की ओर से बीते दिनों सेक्टर-6 में नालों की सफाई करवाई गई थी। सफाई के दौरान नालों से हटाए गए प्रीकास्ट स्लैब को संबंधित एजेंसी द्वारा नाले के किनारे ही छोड़ दिया गया था। इसके बाद अन्य विभाग की ओर से इन स्लैब को उठाकर सड़क के गड़ों में डाल दिया गया था। इस मामले को लेकर स्थानीय निवासियों ने सवाल उठाते हुए कहा था कि भारी-भरकम स्लैब को गड़ों में डालने के बजाय नियमानुसार उपयोग में लाया जाना चाहिए था। इस संबंध में हरिभूमि में आठ दिनों के प्रमुखता से खबर प्रकाशित करते हुए मामले को उठाया था। खबर प्रकाशित होने के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई



बहादुरगढ़। स्लैब हटाकर लगाए गई इंटरलॉकिंग टाइल्स।



हरिभूमि ने रविवार 20 सितंबर को सरकारी धन के कथित दुरुपयोग को लेकर प्रकाशित की थी खबर

करते हुए गड़ों में लगाए गए प्रीकास्ट स्लैब हटा दिए गए। अब इन स्थानों पर मिट्टी डालकर इंटरलॉकिंग टाइल्स से गड़ों को भर दिया गया है। आरडब्ल्यूए के पूर्व प्रधान जयपाल सांगवान ने कहा कि हरिभूमि द्वारा स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाए जाने से अधिकारियों का ध्यान वास्तविक स्थिति की ओर जाता है। उन्होंने कहा कि सफाई के बाद प्रीकास्ट स्लैब को सड़क किनारे छोड़ना और फिर उन्हें उठाकर गड़ों में

डालना उचित व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने कहा कि अब स्लैब हटाकर गड़ों में इंटरलॉक टाइल्स लगाना इस बात का प्रमाण है कि खबर के कहा कि शहर में विकास कार्यों के गंभीरता से लिया है। स्थानीय निवासियों ने भी खबर के असर के बाद स्लैब हटाए जाने पर संतोष जताया और कहा कि शहर में विकास कार्यों के दौरान सामग्री का उचित उपयोग और सरकारी संसाधनों की देखरेख सुनिश्चित की जानी चाहिए।

नौ दिन बाद मिला करनाल से लापता महिला का शव

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

क्षेत्र के अकेहड़ी मदनपुर पंप हाउस में बीते शनिवार को मिले क्षेत्र के अकेहड़ी मदनपुर पंप हाउस के महिला के शव की शिनाख्त हो गई है। मृतका की पहचान करनाल जिले के हैबतपुर निवासी करीब 46 वर्षीया शशिबाला पत्नी हरीश कुमार के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी जगबीर सिंह ने बताया कि करीब तीन दिन पहले महिला

महिला के शव की शिनाख्त हो गई है। मृतका की पहचान करनाल जिले के हैबतपुर निवासी करीब 46 वर्षीया शशिबाला पत्नी हरीश कुमार के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी जगबीर सिंह ने बताया कि करीब तीन दिन पहले महिला

महिला के शव की शिनाख्त हो गई है। मृतका की पहचान करनाल जिले के हैबतपुर निवासी करीब 46 वर्षीया शशिबाला पत्नी हरीश कुमार के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी जगबीर सिंह ने बताया कि करीब तीन दिन पहले महिला

सेनेगल में आयोजित इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता

छारा के शाश्वत दलाल ने अफ्रीकी धरती पर लहराया तिरंगा

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

छारा मूल के शाश्वत दलाल ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। शाश्वत ने बीडब्ल्यूएफ की ओर से सेनेगल में आयोजित इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है। अफ्रीकी धरती पर उसकी जीत से परिजनों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताई है।

टूर्नामेंट में शाश्वत ने प्री-क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन के क्लॉदिस्लाव कुनिन को सीधे गेम में 21-18, 21-11 से हराकर क्वार्टर फाइनल में



प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में सउदी अरब के मेहद शेख को 21-12, 21-16 से पराजित किया। सेमीफाइनल में अफ्रीका महाद्वीप के मौजूद चैंपियन मिस्त्र के अधम

हातिम एलगमाल से मुकाबला हुआ। शाश्वत ने अफ्रीकी चैंपियन को 21-12, 21-18 से धूल चटा दी। रविवार 20 सितंबर को खेले गए फाइनल मुकाबले में शाश्वत को इरानी खिलाड़ी ए हयाती से हार का सामना करना पड़ा। शाश्वत दलाल मूल रूप से गांव छारा से है और फिलहाल सोनीपत के सेक्टर-23 में रहते हैं। खेल के साथ-साथ पढ़ाई में भी अव्वल शाश्वत ने एनडीए का एसएसबी भी क्रेक किया है। वर्तमान में वह इंग्लैंड के नेशनल सेंटर ऑफ बैडमिंटन में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

सान्वी ने ताइक्वांडो में जीता रजत पदक

बहादुरगढ़। नूना माजरा के बाबा रामदास एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी में संचालित पहली क्वियांग खेल नर्सरी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी सान्वी ने सीबीएसई नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया। पानीपत में हुई प्रतियोगिता के अंडर-14 की 20 किलोग्राम भारवर्ग में सान्वी ने यह प्रदर्शन किया। संस्था अध्यक्ष नवीन देशवाल ने सान्वी, उनके माता-पिता व ताइक्वांडो प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

सान्वी ने ताइक्वांडो में जीता रजत पदक

बहादुरगढ़। नूना माजरा के बाबा रामदास एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी में संचालित पहली क्वियांग खेल नर्सरी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी सान्वी ने सीबीएसई नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया। पानीपत में हुई प्रतियोगिता के अंडर-14 की 20 किलोग्राम भारवर्ग में सान्वी ने यह प्रदर्शन किया। संस्था अध्यक्ष नवीन देशवाल ने सान्वी, उनके माता-पिता व ताइक्वांडो प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

सान्वी ने ताइक्वांडो में जीता रजत पदक

बहादुरगढ़। नूना माजरा के बाबा रामदास एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी में संचालित पहली क्वियांग खेल नर्सरी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी सान्वी ने सीबीएसई नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया। पानीपत में हुई प्रतियोगिता के अंडर-14 की 20 किलोग्राम भारवर्ग में सान्वी ने यह प्रदर्शन किया। संस्था अध्यक्ष नवीन देशवाल ने सान्वी, उनके माता-पिता व ताइक्वांडो प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

कवर स्टोरी

डॉ. गोनिका शर्मा

बी

ते कुछ बरसों में बेटियों की परवरिश को लेकर समाज की सोच में एक सकारात्मक बदलाव आया है। अभिभावकों ने बेटियों से भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ उन्हें लेकर व्यावहारिक और प्रगतिशील नजरिया भी अपनाया है। यही बदलती सोच अब बेटियों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव बन रही है। माता-पिता का भरोसा, उनका बदलात व्यवहार और बेटियों के सपनों को समझने की कोशिश उनके हौसलों को नई उड़ान दे रही हैं। आज देश ही नहीं, दुनिया भर में भारतीय बेटियों की उपलब्धियां चर्चा में हैं, उनके बुलंद हौसले नई पीढ़ी के लिए मिसाल बन रहे हैं। सकारात्मक सोच और प्रगति के इस मेल ने बेटियों के जीवन से जुड़े हर मोर्चे पर एक नया भरोसा पैदा किया है। बेटियों को समझने वाले अभिभावकों और अपनी पहचान बनाने का जज्बा रखने वाली लाडलियों ने मिलकर बदलाव की इस खूबसूरत तस्वीर को और मजबूत किया है।

मिल रहा है सही मार्गदर्शन-प्रोत्साहन

परंपरागत रूप से असमानता की सोच रखने वाले समाज में बेटियां के जीवन की राह यूँ ही रोशन नहीं हुई है। घर-परिवार में



हर भेद को भुलाकर बेटियों को सही मार्गदर्शन दिया गया। उनकी उपलब्धियों की सराहना में अब दादी-नानी भी पीछे नहीं रहतीं, मन के थकने-टूटने पर दादा-नाना भी प्रोत्साहन देने लगे हैं। पढ़ाई का क्षेत्र चुनने से लेकर करियर बनाने तक, बेटियों को भरपूर अवसर मिल रहे हैं। अपनी मर्जी थोपने के बजाय घर-परिवार में उनके मन की बात सुनने का परिवेश बन गया है। यह सच है कि व्यवहार और विचार का यह बदलाव बरसों की जड़ोजहद के बाद आया है, पर अब इस भाव-चाव ने स्थायी जड़ें जमा ली हैं। एक ओर बेटियों को मिला मार्गदर्शन उनका मनोबल बढ़ा रहा है, तो

बेटी दिवस क्यों

असल में डॉटर्स-डे का कॉन्सेप्ट बेटियां के जन्म को लेकर रखने वाली कमतरती की सोच, बेटियों को बोझ समझने की मानसिकता और जीवन के शुरुआती पड़ाव से ही स्त्री सम्मान के भाव को बल देने के लिए हुई थी। बेटियों से जुड़ाव को मजबूती देने के लिए हर साल सितंबर महीने के चौथे रविवार को बेटी दिवस मनाया जाता है। यह दिन मुख्य रूप से हमारे घर-परिवार में बेटियों के प्यार, सम्मान और उनके साथ के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। बेटियां के अस्तित्व की स्वीकार्यता की अहमियत समझने वाला बेटी दिवस, कठ्ठा धूपन हरया, धरेलू हिंसा की बर्बरता के खिलाफ जागरूकता लाने से भी जुड़ा है। बेटियों के सपनों और उनकी स्वतंत्रता को मान देने से जुड़ा यह दिन अब बेटियों के खिलाफ होने वाले अपराधों से निपटने से लेकर जेंडर इक्वैलिटी तक, बहुत से मामलों में सकारात्मक संदेश देता है। अपने अस्तित्व की अहमियत समझने वाली बेटियों की संख्या इस मुहिम को और बल दे रही है। कामयाबी की उड़ान भरती बेटियों के उदाहरण समाज से मेढ़मापूर्ण रवेया खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इससे दूसरी बेटियों को भी समान अवसर मिलने लगे हैं। अभिभावकों और परिजनों द्वारा बेटियों की मौजूदगी के मायने समझने और बेटियों द्वारा खुद अपने अस्तित्व की अहमियत का मोल समझने से समाज की सोच में यह सार्थक दिशा पकड़ी है।

दूसरी ओर अपनों के प्रोत्साहन से बेटियों में सेना, खेल, रिसर्च और तकनीकी फ़िल्ड्स में जाने की हिम्मत भी आई है। ससुराल जाकर अपना घर बसाने की रीत वाले हमारे समाज में आज बहुत सी बेटियां अपने माता-पिता का व्यवसाय संभाल रही हैं। इसी का परिणाम है कि बेटियों की निखरती प्रतिभा से अनेक क्षेत्रों में देश का भी नाम रोशन हो रहा है।

आत्मविश्वास से भरा मन

पहले बेटियों के जन्म और उनकी मौजूदगी से घर-परिवार का माहौल बदल जाता था। आज भी बेटियां के जन्म और उपस्थिति भर से पूरा परिवेश बदला-बदला-सा लगता है। फर्क है तो यह कि

बेटियों को लेकर अब हमारे समाज की सोच बहुत बदली है। माता-पिता पारंपरिक सोच से उबरकर अपनी बेटियों को खुला आसमां दे रहे हैं, जिसमें वे ऊंची उड़ानें भर रही हैं, हर क्षेत्र में अपने आपको सिद्ध कर रही हैं, अपनी पहचान बना रही हैं। तभी आज देश में ही नहीं, दुनिया में भारतीय बेटियों का परचम लहरा रहा है।

तब बेटियों को जिम्मेदारी भर समझा जाता था। बड़ा कर शादी करने तक का दायित्व परिवार के हिस्से होता था। अब माता-पिता उनकी हर छोटी-बड़ी उलझन में साथ देने लगे हैं। अभिभावक बेटे के समान ही शिक्षा, सुरक्षा और समान परवरिश देते हुए आत्मनिर्भर बनाने की सोच लिए हैं। जिसके चलते बेटियों का मन भी दृढ़ता से पुरित है। बेटों की ही तरह बेटियां भी अपने ही नहीं, माता-पिता के सपने पूरे करना चाहती हैं। उनका दिलो-दिमाग न केवल अभिभावकों से मिले भरोसे का मान करता है, बल्कि अपने अचीवमेंट्स से उन्हें और सम्मानित महसूस करवाने का भाव लिए है। यह आत्मबल सही मायने में उनके सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करने वाला है।

अभिभावकों की ताकत

किसी शिक्षित-सजग बेटी का यह कहना कि 'आप चिंता न करें, मैं सब कुछ मैनेज कर लूंगी।' तो कहीं घर-परिवार बसा चुकी



बेटी का बोलना 'मैं आपसे दूर नहीं हूँ, सब संभाल लूंगी।' बड़ी होती किसी बेटी का यह भरोसा दिलाता 'मैं आपके सपने पूरे करूंगी' या मासूम बेटिया का घर में खिलखिलाते हुए सबका मन मोह लेना, सबको हौसला देने वाला है। बदलाव के इस शुरुआती पड़ाव पर माता-पिता बेटियों की हिम्मत बने तो अब सशक्त-आत्मनिर्भर हुई बेटियां भी अभिभावकों की ताकत बन रही हैं। आस-पड़ोस या सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में अभिभावक का मन दुखाने वाली बातों का एक सकारात्मक जवाब या सोच बनाने में अब बेटियां बिल्कुल पीछे नहीं रहतीं। माता-पिता पर स्नेह लौटाने वाली प्रगतिशील बेटियां हर दुख-तकलीफ में उनके साथ होती हैं। अभिभावकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखती हैं। करियर और शिक्षा के मोर्चे पर भी कुछ कर दिखाने की लगन ने माता-पिता के मन में उनके सपने साकार करने की ललक पैदा की है। अभिभावक भी बेटियों के लिए हर चुनौती का सामना करने की शक्ति जुटाने लगे हैं। यह हमारे परिवार-समाज के लिए बहुत सुखद स्थिति है।

बेटियां तभी सशक्त बनेंगी, जब अभिभावक उन्हें वो जरूरी आजादी देगे, जो उनके सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। अभिभावक बेटियों की परवरिश में किन बातों का ध्यान रखे कि उनके भीतर आत्मविश्वास जागे, वे स्वावलंबी बनें, साथ में जागरूक भी, एक जरूरी सलाह।

बेटियां ऐसे बनेंगी सशक्त-जागरूक

परवरिश पूर्ति खरे

बाय! अनिका, आराम से जाना और वहां जाकर खूब एंजॉय करना।' अनिका को कॉलेज टूर के लिए विदा कर वैदेही घर के कामों में लग गई। इन दिनों अनिका की नानी यानी वैदेही की मां भी आई हुई थीं। वे बड़े गौर से अपनी बेटी की परवरिश देख रही थीं। कुछ देर बाद वह बोल ही पड़ीं, 'अनिका लड़की है, यूं आजादी से घूमेगी? मुझे तो यह समझ में नहीं आ रहा है कि इतनी आजादी तुम उसे क्यों दे रही हो? लड़की जात है, कहीं कोई ऊंच-नीच हो गई तो?' मां के इन सवालों का वैदेही ने बस एक जवाब दिया, 'मां, ये नए दौर की परवरिश है। अब न गुजरे वक़्त जैसी जमीन है, न हवा-पानी वैसा है। अब इनके बीच अलग ढंग से बोलें होंगे।' कहने को बात छोटी थी, लेकिन अपने भीतर बहुत बड़ा अर्थ समेटे थी। आज दुनिया तेजी से बदल रही है, इस बदलती दुनिया का रुख समझना होगा, उसी के हिसाब से अपनी बेटियों को मजबूत बनाने के लिए उन्हें तैयार करना होगा। इसके लिए बेटियों की परवरिश में एक स्मार्ट नजरिया बहुत जरूरी है। यह नजरिया क्या हो इस बारे में यहां विस्तार से जांने-

गहने नहीं, स्वाभिमान जोड़ें: बेटी जैसे ही बड़ी होने लगती है, माता-पिता उसकी शादी के लिए गहने जोड़ने लगते हैं, लेकिन गहने नहीं जोड़ें, उसके व्यक्तित्व में स्वाभिमान जोड़ें। बेटी को यह सोच दीजिए कि उसकी पहचान केवल किसी की बेटी, पत्नी या बहू होने से नहीं, बल्कि उसके अपने व्यक्तित्व से है। उसे अपनी बात कहने और अपने लिए सही निर्णय लेने की समझदारी दीजिए।

आत्मनिर्भर बनाएं: बेटी को घर के काम सिखाना अच्छी बात है, लेकिन आत्मनिर्भर बनाना उससे भी ज्यादा जरूरी है। खाना बनाने और घर संभालने के साथ उसे बरें का काम, जरूरी दस्तावेजों की जानकारी और इससे संबंधित काम, डिजिटल लेन-देन, यात्रा और अपने छोटे-बड़े फैसले खुद लेना भी सिखाइए।

उसके हुनर को दें प्रोत्साहन: हर बेटी के भीतर कोई न कोई ख़ास हुनर होता है। किसी को पढ़ने में

रुचि होती है, किसी को खेल, संगीत, कला या तकनीक में रुचि होती है। उसकी तुलना दूसरों से करने के बजाय, उसके हुनर को पहचानिए और उसे आगे बढ़ने के अवसर दीजिए। किसी हुनर का महत्व केवल उससे होने वाली कमाई में नहीं होता, वह बेटी को आत्मविश्वास भी देता है।

उसकी ताकत का एहसास कराएं: बेटी को मजबूत बनाने का अर्थ यह नहीं कि उसे दुनिया से लड़ना सिखाया जाए। अर्थ यह है कि उसे दुनिया को समझना सिखाया जाए। उसे विश्वास दीजिए, अवसर दीजिए और सबसे बढ़कर यह एहसास दीजिए कि 'तुम किसी से कम नहीं हो।' क्योंकि जब बेटी के भीतर आत्मविश्वास की रोशनी जलती है, तो वह दुनिया में अपनी जगह बनाना सीखती है। बेटी को सिर्फ पंख मत दीजिए, उसे उड़ना भी सिखाइए। उसे एहसास और भरोसा दिलाइए कि- तुम सशक्त तो दुनिया तुम्हारी है।

खुलकर बोलना सिखाएं: बेटी को चुप रहना नहीं, सही बात सही जगह पर कहना सिखाइए। उसे 'ना' कहना सिखाइए। असहज स्थिति को पहचानना और जरूरत पड़ने पर मदद मांगना सिखाइए। सबसे जरूरी बात, अपनी बेटी को ऐसा माहौल दीजिए कि वह अपनी परेशानी आपसे बिना डरे साझा कर सके।

अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाएं: बेटी को केवल उसके कर्तव्यों का ज्ञान न दें, उसके अधिकार भी बताइए। उसे शिक्षा, सम्मान, सुरक्षित वातावरण और अपने जीवन से जुड़े फैसलों में अपनी इच्छा के महत्व को समझाइए। बुनियादी कानूनी जानकारी भी उसकी ताकत बन सकती है। परिस्थितियों को समझना और जरूरत पड़ने पर सही निर्णय लेना सिखाना ज्यादा जरूरी है।

रिश्ते

रेखा श्रीवास्तव

आ

ज की नई पीढ़ी की पसंद है- एकल परिवार, क्योंकि यहां उन्हें कोई रोकने-टोकने वाला नहीं होता। ऑफिस से लौटने के बाद क्लब जाना, पार्टी और डिनर करके देर रात घर लौटना, इधर-उधर घूमना-फिरना, इन सब में उन्हें खूब मजा आता है। जब तक वे अकेले रहते हैं, सब अच्छा-अच्छा चलता है, लेकिन परिवार में बच्चे के जन्म के बाद बहुत कुछ बदल जाता है। बच्चे के साथ पहले जैसी स्वच्छंद जिंदगी जीना संभव नहीं होता। बस यहीं से कई बार गृह-क्लेश की शुरुआत हो जाती है। ऐसी स्थिति में दंपती को समझदारी से काम लेना चाहिए, अपने जीवन में एक अनुशासन लाना चाहिए।

सही नहीं है एकल पारिवारिक जीवन:

आज बहुत से युवा दंपती अकेले रहने या परिवार को सिर्फ दो लोगों तक सीमित रखने के बारे में सोचते हैं, लेकिन यह न सामाजिक और न ही पारिवारिक दृष्टि से सही है। हम यह क्यों भूल जाते हैं, एक दिन जब हम बिल्कुल अकेले हो जाते हैं, तब अपनों की कमी सबसे ज्यादा अखरती है। कई बार तो अकेले रहने वाले व्यक्ति की मृत्यु के बाद कई-कई दिनों तक किसी को इसकी खबर तक नहीं होती। यह कितनी त्रासद और अपने आप में यह कितनी भयावह स्थिति है।

संयुक्त परिवार है एक वट वृक्ष:

आजकल बाल यौनशोषण, वर्चुअल ऑटिज्म या फिर छोटी उम्र में जरा-

इस आधुनिक दौर में बहुत से पति-पत्नी एकल परिवार में ही रहना पसंद करते हैं। वे अपने माता-पिता को साथ रखना नहीं चाहते, जबकि बुजुर्ग अभिभावक अपने बच्चों का बहुत बड़ा संबल होते हैं।

बना रहे हम सबका साथ



सी अनबन या डांटने पर आत्महत्या की घटनाएं आए दिन सुनाई देती हैं। ये सब वहां ज्यादा होता है, जहां पति-पत्नी दोनों ही वर्किंग होते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे या तो मेड या पड़ोसियों के सहारे पलते हैं। जरूरी नहीं ये लोग बच्चे का सही ढंग से ध्यान रखें या ये अच्छे ईंसान हों। कई जगह पर ऐसे-ऐसे अपराध सामने आते हैं कि लोगों का रिश्तों पर से विश्वास उठ जाता है। अंत में दंपती को नया विकल्प खोजना पड़ता है। इसलिए इस बात को समझें, 'अभी देर नहीं हुई है, जब जागो तभी सेवाएं।' उच्च शिक्षा हासिल करना,

कामकाजी होना गलत नहीं है, लेकिन इसे एक सकारात्मक रूप से देखें। मलबल जब तक आप सक्षम हैं, आपको किसी की जरूरत नहीं है। लेकिन एक समय बाद आपको किसी अपने के सहारे की जरूरत पड़ती है। संयुक्त परिवार वह वट वृक्ष है, जो आपको धूप आने पर छाया देने से इंकार कभी नहीं करता। आप अपने परिजनों से रिश्ते हमेशा गहरे और मधुर बनाकर रखें।

बड़ा संबल है माता-पिता का साथ:

इस परिप्रेक्ष्य में यह कहना जरूरी है कि अपने माता-पिता को अपना समझिए तभी उनको घर लाइए। अगर एक नौकरानी या नौकर का विकल्प समझ कर ला रहे हैं तो उन्हें मत लाइए। पुराने पारिवारिक मूल्यों की ओर लौटने का अर्थ है कि आप अपनी जड़ों से जुड़िए और उनसे वह ग्रहण कीजिए, जिसकी आज जरूरत है। रुपए, पैसे, धन-दौलत वक्त पर बहुत कुछ तो होते हैं, लेकिन सब कुछ नहीं होते हैं। सब कुछ सिर्फ कुछ अपने रिश्ते होते हैं, जो जरूरत पड़ने पर कंधे पर हाथ रखते हैं, हमारा संबल बनते हैं।

मेडिकल एडवाइस

डॉ. आस्था गुप्ता

सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट

लौसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) की समस्या और इससे जुड़े लक्षणों के बारे में तो कई महिलाएं जानती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि इसका असर आपकी नींद पर भी पड़ सकता है? इसके संकेतों को जरअंदाज न करें।

हो सकती हैं नींद से जुड़ी समस्याएं: पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) का जोखिम सामान्य महिलाओं की तुलना में अधिक होता है। इस स्थिति में सोते समय सांस की नली कुछ समय के लिए संकरी या बंद हो जाती है, जिससे सांस लेने में रुकावट आती है। शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर व्यक्ति की नींद बार-बार खुलने लगती है, ताकि सांस सामान्य हो सके।

पीसीओएस-अनिद्रा का कनेक्शन: पीसीओएस में इंसुलिन रेंजिस्टेंस, वजन बढ़ना और हार्मोनल असंतुलन जैसी

पीसीओएस को आमतौर पर अनियमित पीरियड्स और वजन बढ़ने से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन इसका असर नींद पर भी पड़ सकता है। ये आपस में कैसे रिलेट करते हैं और इनसे कैसे निजात पाएं, जानिए।

पीसीओएस से हो सकती है नींद में परेशानी



समस्याएं कॉमन हैं। वहीं, लंबे समय तक अनिद्रा और स्लीप एपनिया की समस्या, शरीर में तनाव हार्मोन और इंसुलिन रेंजिस्टेंस को बढ़ा सकती हैं। नींद की कमी का असर महिलाओं के हार्मोनल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। लगातार

अपर्याप्त नींद से थकान, चिड़चिड़ापन, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी और मूड में बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जिन महिलाओं में पहले से ही अनियमित पीरियड्स, वजन बढ़ना या इंसुलिन रेंजिस्टेंस जैसी पीसीओएस से जुड़ी

परेशानियां हैं, उनके लिए खराब नींद इन समस्याओं को और चुनौतीपूर्ण बना सकती है। यदि खरिटे बहुत तेज और नियमित हैं, सोते समय आप सांस रुकने की समस्या महसूस करती हैं, घुटन होती है या सांस की गति बंद जाती है तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है।

बैलेंसड डाइट-अच्छी नींद जरूरी: पीसीओएस को मैनेज करने के लिए केवल पीरियड्स को नियमित करना या वजन कम करना ही पर्याप्त नहीं है। संतुलित आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और तनाव का प्रबंधन भी इसके प्रभावों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्लीप एपनिया होने पर डॉक्टर स्थिति के अनुसार ट्रीटमेंट करते हैं।

प्रस्तुति: निकिता चौहान

है। अगर कभी जिम जाना मिस हो जाए, तो मैं कोशिश करती हूँ कि दिन भर फिजिकली एक्टिव रहूँ। मेरे लिए कंसिस्टेंसी सबसे ज्यादा मायने रखती है।

‘मी टाइम’ भी निकालती हूँ: मानसिक शांति के लिए मैं अपने लिए थोड़ा ‘मी टाइम’ निकालना बहुत जरूरी मानती हूँ। कभी-कभी बस कुछ देर शांत बैठना, फोन से दूरी बनाना या अपने पसंदीदा लोगों के साथ समय बिताना भी बहुत मदद करता है। मैं कोशिश करती हूँ कि किसी भी रेशन को अपने ऊपर हावी न होने दूँ और जो चीजें मेरे कंट्रोल में नहीं हैं, उन्हें लेकर खुद को ज्यादा परेशान न करूं। मेरा मानना है कि पॉजिटिव रहना कोई एक दिन की प्रैक्टिस नहीं, बल्कि रोज खुद को थोड़ा बेहतर समझने की प्रक्रिया है।

अच्छी नींद को मानती हूँ जरूरी: अच्छी फिटनेस का असर मेरी ब्यूटी पर भी पड़ता है। मेरे लिए ब्यूटी का सबसे बड़ा स्रोत है, डेली अच्छी पूरी नींद सोना। हाइड्रेशन को मॉटेन रखना और बेसिक रिक्शन केयर में कंसिस्टेंसी। मैं बहुत ज्यादा एक्सपेरिमेंट करने के बजाय अपनी स्किन को सूट करने वाले कुछ बेसिक प्रोडक्ट्स को अप्लाई करना पसंद करती हूँ। शूटिंग में मेकअप काफ़ी होता है, इसलिए उसे अच्छी तरह से हटाना और स्किन को साफ और मॉइश्चराइज रखना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि जब हम अंदर से खुश और स्वस्थ महसूस करते हैं, तो उसका असर चेहरे पर अपने आप दिखता है।

प्रस्तुति: सहेली फीचर्स

माता-पिता हैं सुरक्षा कवच

आपके माता-पिता भी आपका साथ चाहते हैं। उन्हें आप प्यार और सम्मान के साथ अपने साथ रखिए। आपके बच्चों को सुरक्षा कवच मिल जाएगा। आपको एक बैफिनी रहेगी कि हमारा घर और बच्चे सुरक्षित हैं। रहा सवाल बड़ों की रोक-टोक का तो वे कोई किराए पर लाए हुए इंसान नहीं हैं, बल्कि आपके अपने हैं, अगर उनका सुझाव या बात उचित है तो स्वीकार कर लीजिए और अगर अनुचित है, तो उनको समझाइए कि ऐसा क्यों नहीं संभव है। इस बात को समझिए, उनके पास आपसे ज्यादा जीवन अनुभव है, उसका लाभ उठाइए।

जिसकी आज जरूरत है। रुपए, पैसे, धन-दौलत वक्त पर बहुत कुछ तो होते हैं, लेकिन सब कुछ नहीं होते हैं। सब कुछ सिर्फ कुछ अपने रिश्ते होते हैं, जो जरूरत पड़ने पर कंधे पर हाथ रखते हैं, हमारा संबल बनते हैं।

खबर संक्षेप

राष्ट्रकवि दिनकर की जयंती के उपलक्ष्य में हुई गोष्ठी

बहादुरगढ़। कलमवीर विचार मंच के स्थापना दिवस पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। सेक्टर-9 में कवितायन परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद नित्यानंद नवीन ने की। कवि-कलाकार विरेंद्र कौशिक, जगबीर कौशिक, मुकेश व्यास, सुनीता श्री व अर्चना झा आदि ने काव्यपाठ किया। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण अर्पित करते हुए उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। मंच के संस्थापक कवि कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने दिनकर की अमर पक्तियों सिंहासन खाली करो कि जनता आती है का उल्लेख करते हुए देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था के सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।

पीएम-सेतु और शिक्षुता योजना की हुई समीक्षा

झज्जर। सोमवार को मुख्य सचिव हरियाणा सरकार की अध्यक्षता में प्रगति सत्र के तहत वीसी के माध्यम से राज्य स्तरीय (टियर-2) समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान पीएम-सेतु योजना तथा राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। जिसमें जिला स्तर पर दोनों योजनाओं के तहत किए जा रहे कार्य, युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं शिक्षुता से जोड़ने तथा अधिक से अधिक संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों को भागीदारी सुनिश्चित करने से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई।

सीएम के ओएसडी ने किया राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल का निरीक्षण
इयूटी के अलावा ऐसा कार्य करें जिससे समाज में अलग पहचान बने



हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

सोमवार को सीएम के ओएसडी विरेंद्र सिंह बड़खालसा ने शहीद रमेश कुमार राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा कर शैक्षणिक गतिविधियों व व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। प्रार्थना सभा में उन्होंने विद्यार्थियों के साथ समय बिताया उनकी विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को

झज्जर। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सीएम के ओएसडी विरेंद्र बड़खालसा। अपनी इयूटी के अलावा जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य जरूर करना चाहिए जिससे समाज में उसकी अलग पहचान बने। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षक पढ़ाने के अलावा समय निकालकर बच्चों को खेल गतिविधियों से जोड़ें, पौधारोपण करें या कोई अन्य सामाजिक कार्य करें तो यह कार्य उनकी अलग पहचान बनाने में महत्वपूर्ण होगा। सरकार का प्रयास है कि स्कूलों में अच्छा माहौल हो, इसके लिए एसएमसी के सदस्यों को सक्रियता से हिस्सेदारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी प्रत्येक सप्ताह प्रार्थना सभा में कम से कम एक बार गायत्री मंत्र का अर्थ सहित प्रस्तुतीकरण करें। साथ ही उन्होंने वंदे मातरम् गीत के अर्थ को समझने के लिए भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया।



झज्जर। सीएम के ओएसडी को आईआईटी स्थापित करने संबंधी अनुरोध पत्र देते हुए मातनहेल के ग्रामीण।

मातनहेल में आईआईटी या कृषि विवि स्थापित करने की मांग को लेकर सीएम के ओएसडी से मिले ग्रामीण

झज्जर। मातनहेल क्षेत्र में आईआईटी या कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग को लेकर सोमवार को मातनहेल के ग्रामीण सीएम के ओएसडी विरेंद्र बड़खालसा से मिले। लघु सचिवालय में उनसे मुलाकात करते हुए ग्रामीणों ने उनसे मातनहेल के पास आईआईटी या कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने की व्यवस्था कराने का अनुरोध किया। इस दौरान ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम लिखा एक अनुरोध पत्र भी उन्हें सौंपा। पत्र में कहा गया है कि आधुनिक दौर में तकनीकी शिक्षा की बढ़ती जरूरत को देखते हुए प्रदेश में आईआईटी जैसे उच्च स्तरीय तकनीकी शिक्षण संस्थान की आवश्यकता है। मातनहेल पंचायत के पास पर्याप्त खाली एवं खंजर भूमि उपलब्ध है और संस्थान की स्थापना के लिए ग्रामीण जमीन देने को भी तैयार हैं। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में आईआईटी स्थापित होने से स्थानीय युवाओं को उच्च स्तरीय तकनीकी शिक्षा के बहुर अवसर मिलेंगे। इस मौके पर जिला पार्षद प्रतिनिधि वीरमान उर्फ बडू पहलवान, गुरुदीप फौजी, मातनहेल मंडलाध्यक्ष सुरेंद्र, बिजेन्द्र बिरोहड़, चुन्नी लाल सैनी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

शांति दिवस पर कॉलेज में गुंजा मानवता का संदेश

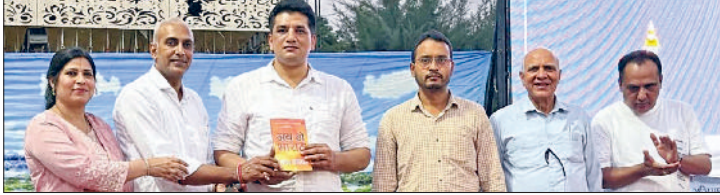


बहादुरगढ़। शांति का संदेश देती स्वयंसेविकाएं, अतिथि व कॉलेज स्टाफ।

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में विश्व शांति दिवस के अवसर पर एनएसएस व पीस फाउंडेशन के सहयोग से प्रेरणादायक व संवादात्मक कार्यक्रम किया गया। स्वयंसेविकाओं को प्रेम रावत, मानवता एवं शांति पर आधारित एक लघु फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से शामिल हुए यूथ पीस फाउंडेशन से कविता, सुकन्या, जेपी

सिंह व सतीश ने शांति के व्यापक अर्थ पर प्रकाश डाला। युवाओं में सकारात्मक सोच, संवेदनशीलता, सहिष्णुता व सहयोग की भावना विकसित करके समाज में शांति एवं सद्भाव को मजबूत किया जा सकता है। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि विश्व शांति का संदेश केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे हमारे दैनिक जीवन के व्यवहार और मूल्यों का हिस्सा बनाना चाहिए।



बहादुरगढ़। एसीपी दिनेश को पुस्तक भेंट करते आयोजक।

शांति दिवस पर कार्यक्रम में शांति सद्भाव व मानवता का संदेश गुंजा

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर राज विद्या केंद्र की ओर से लाइनपार स्थित आरके फार्म में शांति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। शांति, आत्म-जागरूकता, सकारात्मक सोच और मानवता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में इंटरनेशनल पीस एंबेसडर प्रेम रावत के शांति संदेश पर आधारित वीडियो प्रदर्शित किया गया। इसके माध्यम से लोगों को जीवन में आंतरिक शांति और सकारात्मक

सोच के महत्व से अवगत कराया गया। आयोजकों ने कहा कि समाज में शांति की शुरुआत व्यक्ति के भीतर से होती है और आपसी सद्भाव तथा मानवता की भावना को मजबूत करना समय की जरूरत है। कार्यक्रम में एसीपी दिनेश और नायब तहसीलदार प्रवीण कुमार ने भी शिरकत की। आयोजन को सफल बनाने में कविता सोनी, राजीव कुमार, सुधीर मास्टर, विरेंद्र, जेपी सिंह, राजेंद्र, बलजीत, राकेश सैनी, आशानंद, सुभाष, कांता, अनीता और कमलेश सहित टिकरी बॉर्डर टीम तथा नेताजी नगर टीम का सहयोग रहा।

शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. निर्मल को मिला सम्मान



झज्जर। डॉक्टर निर्मल गुलिया को सम्मानित करते प्रबुद्धजन।

झज्जर। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, रचनात्मकता और विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव के लिए निरंतर कार्य कर रही डॉक्टर निर्मल गुलिया को प्रतिभा सम्मान चौबीसी का गोवर से नवाजा गया है। उन्हें यह सम्मान चौबीसी गुलिया खाप की ओर से बादलों में आयोजित एक सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। सम्मान लेने उपरांत डॉक्टर निर्मल गुलिया ने कहा कि पूरी चौबीसी का आशीर्वाद मिलने पर यह केवल मेरा सम्मान नहीं रहता, बल्कि उस रिश्ते की स्वीकृति बन जाता है, जिसे मैंने दिल से लिया है। बता दें कि हरियाणा शिक्षा विभाग ने अंग्रेजी प्रवक्ता के पद पर डाइट माछरौली में सेवारत डॉक्टर निर्मल गुलिया के शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े लेख अक्सर प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं। शिक्षा क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें विभिन्न संस्थाओं एवं मंचों से अनेक प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्री, सक्षम सेल, विभिन्न बोर्डों तथा स्वयंसेवी एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा उन्हें सम्मान एवं प्रशंसा मिल चुकी है।

कानोंदा में नवनियुक्त बार प्रधान का सम्मान

बहादुरगढ़। गांव कानोंदा में बहादुरगढ़ बार एसोसिएशन के नवनियुक्त प्रधान एडवोकेट विक्रम छिल्लर सहित अन्य अधिवक्ताओं का सम्मान किया गया। ग्रामीणों ने विक्रम समेत अन्य पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।



हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अख़बार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अख़बार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति टैल्स के ऊपर, नजदीक टैक्सि स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ़ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फ़ोन : 8295154800, 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज़	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के	₹. 2500/-
10× 8 से.मी	अन्तर के पृष्ठ पर	₹. 3000/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए फाई स्टै लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ़ खाना रोड, शिव चौक, फ़ोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति टैल्स के ऊपर, 8295852900

18.54 किलोमीटर पैदल चले परिवहन विभाग के कर्मचारी, युवा व ग्रामीण



झज्जर। जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान मॉड्यूल अनुसार विभिन्न जनकल्याणकारी एवं जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में हरियाणा राज्य परिवहन द्वारा सेवा मेरा योगदान मॉड्यूल के तहत सेवा संकल्प स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित पैदल चलने, सार्वजनिक परिवहन के अधिकाधिक उपयोग, ईंधन एवं विदेशी

मुद्रा की बचत, पर्यावरण संरक्षण तथा नशी से दूर रहने के प्रति जागरूक किया गया। यात्रा का शुभारंभ गांव गांटान से हुआ। यात्रा डीघल, बरहाणा, धांधलान, गोच्छी, बेरी एवं वजीरपुर होते हुए धौड़ पहुंची। इस दौरान प्रतिभागियों ने कुल 18.54 किलोमीटर की दूरी पैदल तय की तथा रास्ते में आने वाले गांवों में ग्रामीणों से संवाद करते हुए स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। यात्रा का नेतृत्व हरियाणा राज्य परिवहन झज्जर यातायात प्रबंधक दीपक कुमार ने किया।



झज्जर। उपविजेता का खिताब लेते हुए टीम सदस्य।

शूटिंग बॉल नेशनल चैंपियनशिप में हरियाणा की टीम रही उप-विजेता

झज्जर। रविवार को गाजियाबाद की एचआरआईटी यूनिवर्सिटी में आयोजित दो दिवसीय प्रथम वेट्टन शूटिंग बाल नेशनल चैंपियनशिप में प्रदेश की टीम ने उप-विजेता का खिताब जीता है। एमेच्योर शूटिंग बॉल एसोसिएशन के संरक्षक जेपी कादियान ने बताया कि टीम में भिवानी से उदयभान इंस्पेक्टर को कप्तान, सिरसा से निरंजन कुमार, हिसार से दिलीप कुमार, सोनीपत से राजेश कुमार, पानीपत से राजेंद्र सिंह, गुरग्राम से राजवीर सिंह व संजय सिंह, झज्जर से सतबीर सिंह देशवाल, जोगेंद्र सिंह, जेपी कादियान शामिल रहे। टीम के कोच सुरेश कुमार बिरनौई रहे। फाइनल स्पर्धा में उनकी टीम दिल्ली से 21-16, 14 -21, 18-21 से हार कर उपविजेता रही।

पंडित पवन कौशिक ने विधिवत पूजन कर सातवें दिन भजन संध्या का शुभारंभ किया

गणेशोत्सव की धूम, श्रद्धालुओं ने लिया भजनों का आनंद



झज्जर। बाबा काशीगिरी मंदिर में भजनों का आनंद लेते हुए श्रद्धालु।

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में महिला संकीर्तन मंडली के तत्वावधान में चल रहे छठे श्री गणेशोत्सव के अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। पंडित पवन कौशिक ने विधिवत पूजन कर सातवें दिन भजन संध्या का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में नारायणी सरयाना, संतोष हंस, संगीता वर्मा, इंदु शर्मा, प्रीति गाबा, संध्या गौतम, सुष्मा गोसाई, आशा गोवर, पूनम छाबड़ा, उषा, जगदीश जुनेजा सहित महिला कीर्तन मंडली की सदस्यों ने राधा रानी और गणपति के भजनों से गुणगान किया।

न्यूज़ डायरी

उत्तम संयम के साथ सुगंध दशमी मनाई



बहादुरगढ़। जैन समाज ने दसलक्षण पर्व के छठे दिन उत्तम संयम एवं सुगंध दशमी उल्लास व श्रद्धा के साथ मनाई गई। सोमवार को भी शहर के चारों जैन मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान के समक्ष विधिवत पूजा कर धर्म, संयम और आत्मशुद्धि का संदेश गहरान किया और धर्म लाभ भी प्राप्त किया। उत्तम संयम दिवस अवसर पर श्रद्धालुओं ने आत्म संयम, इन्द्रिय नियंत्रण और सदाचार के महत्त्व को समझने का संकल्प लिया। सुनील जैन बोले कि जैन धर्म में संयम का विशेष महत्त्व है। मनुष्य को इच्छाओं और इन्द्रियों पर नियंत्रण रखते हुए सत्स, अहिंसा, त्याग और सदाचार के मार्ग पर चलना चाहिए। विजय जैन बोले कि संयम व्यक्ति के जीवन को अनुशासित बनाने के साथ-साथ आत्मिक शांति की ओर ले जाता है।

आईसीसी में चुने जाने पर कनिष्का का सम्मान



बहादुरगढ़। दिल्ली विश्वविद्यालय के राजधानी कॉलेज में आईसीसी (आंतरिक शिकारत संमिति) में निर्वाचित होने पर गांव सांखोल निवासी कनिष्का तंवर का डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन सांखोल की ओर से सम्मान किया गया। फाउंडेशन महासचिव प्रदीप तंवर ने कनिष्का को अंशोक स्मॉल मेट कर, शॉल आढ़ाकर व फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर मीना तंवर, नवीन कुमार, बलराम तंवर, कविता सिसाना, डॉ. पूजा, राजेंद्र सिंह, रण सिंह तूर, शशि तंवर, मुकुंश तंवर, गजानंद शर्मा, मनीज वांडिया, शमशेर नरवाल, पूनम, नीलम, रीना, रेखा, सुमन, निशा, आशा तंवर, संतरा देवी ने कनिष्का को बधाई दी।

आईआईएम रोहतक के छात्रों ने किया शैक्षणिक दौरा



झज्जर। आईआईएम रोहतक के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के तहत झज्जर जिले का दौरा किया। विद्यार्थियों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर प्रशासनिक व्यवस्था, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों को समझा। इस दौरान विद्यार्थियों ने डीसी वर्षा खांगवाल से मुलाकात की और जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, स्वच्छता अभियानों तथा ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की। विद्यार्थियों ने प्रशासनिक व्यवस्था और योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन को लेकर उत्सुकता से सवाल पूछे। डीसी वर्षा खांगवाल ने विद्यार्थियों के सवालों का विस्तार से जवाब देते हुए बताया कि सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रशासन द्वारा विभागों पर नियमित निगरानी और जलमार्गोदारी पर विशेष जोर दिया जाता है।

स्लोगन लेखन में सखी ने पाया पहला स्थान



झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर मेहरू महाविद्यालय के भूगोल विभाग में ग्लोबल वाणिग विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन भूगोल विभागध्यक्ष डॉक्टर सुरेंद्र कुमार पूनिया ने किया। जिसमें बीए प्रथम वर्ष की सखी ने पहला, बीए तृतीय वर्ष के नितेश कुमार ने दूसरा और नितेश ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्राचार्य दलबीर सिंह ने विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता का निर्णय भूगोल प्राध्यापक विनोद, सविता और डॉक्टर मीनाक्षी ने किया। इस अवसर पर डॉक्टर ललित कुमार, डॉक्टर सुनीता बेनीवाल, राजमल, दीपा कुमारी सहित अन्य भी मौजूद रहे।

आसौदा में 56 युवाओं ने किया रक्तदान



बहादुरगढ़। सूर्य फाउंडेशन ने आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सेवा संकल्प के माध्यम से आसौदा टोडरगा गांव स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में युवाओं एवं संस्थान के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 56 युनिट रक्तदान किया। आईटीआई के प्रधानाचार्य राजेश राणा ने रक्तदान के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध करया जा सकता है। सूर्य फाउंडेशन के हरियाणा क्षेत्र प्रमुख कवल कुमार ने रक्तदान के साथ-साथ अंगदान के महत्त्व से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि रक्तदान और अंगदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। शिविर के आयोजन में राजेश कुमार, संदीप सैनी, मिंटू गौड़, आशा रानी, तुषा मलिक, आशीष, राजेश शर्मा व प्रवीण गर्ग के साथ सूर्य फाउंडेशन के हरियाणा स्वरोजगार प्रमुख श्याम जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

भजनों की मधुर धुन पर श्रद्धालु झूमे, भक्ति में डूबा माहौल

पूनम छाबड़ा, संतोष हंस ने गौरा तुम्हें कैसे मिले भोले नाथ...संगीता वर्मा ने राधा रानी की जय महारानी की जय...सुष्मा गोसाई ने हमारे दो ही रिश्तेदार एक हमारे बांके बिहारी दूजी राधा रानी सरकार... देवेश शर्मा, पंकज भारद्वाज, योगेश रंजन ने...एक आस तुम्हारी है विश्वास तुम्हारा है, दिनेश दुजाना ने विनती है बजरंग बाला, सुन लो है अंजली के लाला...राजेंद्र वधवा ने मर दे श्याम झोली मर दे...भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर प्रधान सुधांशु हंस, डॉक्टर शंकर गोवर, भारत भूषण नंदा, वेद बहल पाशु, शीला देवी, विशन वधवा, प्रिया तनेजा, किरण वर्मा, सुमन वधवा, इंदू शर्मा, योगिता, प्रदीप गुलाटी, हेमंत वर्मा, रमेश लखेर, सक्षम वर्मा, सेवक अप्रिंत, वंशु वर्मा, भक्ति वर्मा, आंचल सेठी सहित अन्य मौजूद रहे।